



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 307] नई दिल्ली, वृहस्पतिवार, जुलाई 22, 1982/धावाढ 31, 1904
No. 307] NEW DELHI, THURSDAY, JULY 22, 1982/ASADHA 3 1904

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रहा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

वाणिज्य मंत्रालय
(वाणिज्य विभाग)

नई दिल्ली, 22 जुलाई, 1982

का. आ. 522(अ) :—केन्द्रीय सरकार, चाय अधिनियम, 1953 (1953 का 29)
की भारा 16-से की उप-धारा (1) द्वारा प्रश्न शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत
सरकार के वाणिज्य मंत्रालय के आदेश मं. का. आ. 277(अ), तारीख 21 अप्रैल,
1982 का निम्नलिखित मंशोधन करनी है, अर्थात् :—

उक्त आदेश में,—

(1) पैरा 7 में क्रम मं. (4) और (5) तथा उनसे मम्बन्धित प्रविष्टियों के
स्थान पर निम्नलिखित रूप जाएगा, अर्थात् :—

"(4) श्री जे. एम. अध्यर, वित्त अधिकारी लोक उद्यम व्यूरो ;

2 THE GAZETTE OF INDIA : EXTRAORDINARY [PART II—SEC. 3(ii)]

(5) श्री एम.एल.साह, कम्पनियों का रजिस्टर, पश्चिमी बंगाल ;''
(2) पैरा 2 में, ''90 दिन'' और शब्द के स्थान पर ''180 दिन अंक और शब्द रखे जाएँगे।

[फा. सं. बी.-12012 (3)/79-प्लांट-ए]

एम. गोपालन, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF COMMERCE

(Department of Commerce)

New Delhi, the 22nd July, 1982

S.O. 522(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 16B of the Tea Act, 1953 (29 of 1953), the Central Government hereby makes the following amendments in the Order of the Government of India in the Ministry of Commerce No. S.O. 277(E), dated the 21st April, 1982 namely :—

In the said Order,—

(i) in paragraph 1, for serial Nos. (iv) and (v) and the entries, relating thereto, the following shall be substituted, namely :—
“(iv) Shri J. M. Ayyar, F.O., Bureau of Public Enterprises ;
(v) Shri M. L. Saha, Registrar of Companies, West Bengal;”,
(ii) in paragraph 2, for the figures and word “90 days”, the figures and word “180 days”, shall be substituted.

[File No. B-12012(3)/79-Plant. A.]

S. GOPALAN, Jt. Secy.